मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर 142वें दिन भी धरना व अनशन जारी

मालपुरा को नवीन जिलों में शामिल नहीं करना कांग्रेसियों के लिए गले की फांस बनी

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर142वें दिन भी धरना व अनशन जारी रहा।

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर 142वें दिन भी धरना व अनशन लगातार जारी है। धरने पर बैठे महिला-पुरूष आज भी एक स्वर में कह रहे हैं कि मालपुरा को जिला घोषित नहीं करने पर अनशन व धरना जारी रहेगा। तो जनता की जुबान पर एक ही नारा गूंज रहा है जिला नहीं तो वोट नहीं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा कांग्रेस सरकार के अन्तिम कार्यकाल में चुनावी कार्ड खेलते हुए 19 मार्च को राजस्थान में 19 नये जिलों की घोषणा तो की लेकिन रियासत काल से जिला स्तर का दर्जा प्राप्त व सभी मापदण्डों से परिपूर्ण कांग्रेस की परम्परागत सीट रही मालपुरा को नवीन जिलों की घोषणा में शामिल नहीं करना इस बार भी कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए गले की फांस बनता प्रतीत हो रहा है।

कांग्रेस आलाकमान द्वारा राजस्थान की 200 सीटों का पार्टी स्तर

- **जिला नहीं तो वोट नहीं की गांव-ढाणी से उठ रही आवाजें**

पर एवं संगठन पर दो सर्वे करवाना व एक एजेन्सी से मुख्यमंत्री द्वारा गोपनीय सर्वे करवा मालपुरा सहित राजस्थान की 40 सीटों को इस बार हर हाल में जीतने के लिए योजना बनाई गई। लेकिन आलाकमान की योजना व मालपुरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनों सहित आगामी विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में ताल ठोकने वाले नेताओं के लिए वरदान साबित होने वाली मालपुरा को जिला बनाने की मांग को नजर अंदाज कर जनभावनाओं की अनदेखी करना संगठन को भारी पड़ सकता है।

विधानसभा चुनावों की अधिसूचना व आचार सहिंता की घोषणा होने से पूर्व ही मालपुरा विधानसभा क्षेत्र में बीते दो माह से कांग्रेस नेताओं की सरगर्मियां तेज हो रही हैं। क्षैत्र के राजनैतिक गलियारे व नेताओं की लम्बी सूची पर नजर डाले तो पीसीसी उपाध्यक्ष रामविलास चौधरी, पीसीसी सदस्य घासीलाल चौधरी, बीसुका उपाध्यक्ष डॉ. चन्द्रभान, युवा नेता गोपाल गुर्जर, अवधेश शर्मा, भंवर मुवाल सहित एक दर्जन नेताओं के नाम इस बार मालपुरा सीट से विधायक बनने को आतुर नेताओं मे होड सी मची हुई है।

अब तक तो एक दर्जन से अधिक कांग्रेस नेता स्वयं को कांग्रेस प्रत्याशी मान विधानसभा क्षेत्र के गांव-ढाणी में सघन जनसम्पर्क अभियान चला नुक्कड़ सभाओं व तीये की बैठकों में शामिल हो अपनी पहचान व चेहरा जनता के सामने रख रहे हैं। तो कई नेता जनसुनवाई व जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर कांग्रेस में अपनी मजबूत पकड़ बना जीत की ताल ठोंक रहे हैं। लेकिन सभी नेताओं से क्षेत्र की जनता एक ही सवाल पूछ रही है कि मुख्यमंत्री ने मालपुरा को जिला क्यों नहीं बनाया। मालपुरा को जिला बनाने के लिए विधायक का ख्वाब देख रहे नेताओं ने चार महिने में मालपुरा की जनता के प्रतिनिधि मंडल के साथ मुख्यमंत्री से मिलकर जिला घोषित करने का दबाव क्यों नहीं बनाया। जबकि मालपुरा में जिला बनाने की मांग को लेकर बीते 142 दिनों से धरना व अनशन जारी है।

यहां तक कि जनआंदोलन को लेकर कंाग्रेस के वो दिग्गज नेता जो मुख्यमंत्री से बेहद करीबियों की सूची में शामिल है एवं मालपुरा टोडारायसिंह सीट से विधायक बनने का सुख भी भोग चुके हैं उन नेताओं ने भी मालपुरा की जनता के बीच पहुंच जनभावनाओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचाना मुनासिब नहीं समझा। अब मुख्यमंत्री के सामने मालपुरा सीट जीतने के लिए एक ही ब्रह्मास्त्र बचा है। मालपुरा को जिला बनाने की घोषणा कर हार के लगे दाग को धोने में सफलता मिल सकती है।

पांच पंचायतों के ग्रामीणों का शाहपुरा जिले में नहीं रहने को लेकर विरोध

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ उपखण्ड कार्यालय के बाहर ग्रामीणों के चल रहे धरना प्रदर्शन मंच को शुक्रवार को दूसरे दिन राजनीतिक नेताओं ने हाईजैक कर लिया और लोक लुभावने भ्रामक द्विअर्थी भाषण दिये। कई नेताओं के भाषण पर तो तालियों की घड़घड़ाहट होने लगी वहीं ग्रामीणों ने ठहाके भी लगाए।

- **ग्रामीणों के धरना प्रदर्शन मंच पर दूसरे दिन भी कई नेतागण पहुंचे**

माण्डलगढ़ की शाहपुरा जिले में शामिल हुई पंचायतों के ग्रामीणों ने दूसरे दिन भी धरना जारी रखा।

माण्डलगढ़ उपखण्ड की 5 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण धरनार्थी भीलवाड़ा जिले में ही रहने की मांग पर अड़े हैं। नव सृजित शाहपुरा जिले में कतई नहीं रहना चाहते है। गौरतलब हैं कि गत दिनों सरकार के गजट नोटिफिकेशन में माण्डलगढ़ उपखण्ड की 15 पंचायतों को शाहपुरा में शामिल किया गया हैं। उसी को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश भड़का हुआ है।

माण्डलगढ़ उपखण्ड कार्यालय के बाहर पंचायत बचाओ संघर्ष समिति मानपुरा के तत्वाधान में आयोजित धरना प्रदर्शन गुरुवार से शुरू किया गया। शुक्रवार को महुआ, दौलपुरा, रलायता, मानपुरा व धामनिया ग्राम पंचायतों के सरपंच जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीण रैली के रूप में माण्डलगढ़ उपखण्ड कार्यालय पहुंचे। जहां मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम महेश गगोरिया को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में ग्रामीणों ने शाहपुरा जिले से उक्त ग्राम पंचायतों को निकाल कर भीलवाड़ा जिले में ही रखने की मांग की।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में चेतावनी दी कि सरकार ने हमारी माँग नहीं मानी तो उठा आंदोलन कर चक्काजाम किया जाएगा। ज्ञापन के दौरान मानपुरा सरपंच चंदादेवी प्रजापत, महुआ सरपंच कमला देवी खटीक,रलायता सरपंच प्रेमदेवी जाट, श्रीनगर सरपंच रामलाल भील, दौलपुरा सरपंच रामजस दाधीच सहित अन्य पंचायतों के जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

माण्डलगढ़ में ग्रामीणों द्वारा प्रायोजित किए गए धरना स्थल के मंच को शुक्रवार को बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं ने हाईजैक कर लिया और दिनभर लोकलुभावन भाषणबाजी की। कई नेता अपनी राजनीति चमकाने में भी पीछे नहीं रहे। वहीं कुछ नेता राजस्व मंत्री रामलाल जाट,तो कई ने राज्यमंत्री धीरज गुर्जर तथा मुख्यमंत्री से मुलाकात करने का आश्वाशन दिया। वहीं बीजेपी के नेताओं ने कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी में गहलोत सरकार की किरकिरी की।लेकिन सत्ताधारी नेता खामोश नजर आए।

धरना स्थल पर पंचायत समिति प्रधान जितेंद्र मूंदड़ा, पूर्व जिला प्रमुख इंजीनियर कन्हैया लाल धाकड़,पूर्व प्रधान कन्हैया लाल जाट, पूर्व उप प्रधान भेरू लाल जाट, बिजौलिया क्रय विक्रय सहकारी समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश जाट, नगर पालिका अध्यक्ष ज़फ़र टांक, पीसीसी सदस्य गोपाल मालवीय, कांग्रेस पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष शिवकुमार त्रिपाठी, पार्षद अनिता सुराणा, रफ़ीक टांक, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रशीद आसाम, बीजेपी विधायक गोपाल खंडेलवाल, पूर्व विधायक बद्रीप्रसाद गुरुजी, पूर्व जिला प्रमुख शक्ति सिंह हाड़ा सहित कई नेता जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

चोरी की गाड़ी में पोस्त की तस्करी करते एक गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। चोरी की लग्जरी गाड़ी में पोस्त की तस्करी करते नागौर निवासी एक युवक को गोलूवाला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिला विशेष दल हनुमानगढ़ के सहयोग से की गई कार्रवाई में कार से कुल 70 किलोग्राम पोस्त बरामद किया है। यह पोस्त प्लास्टिक के चार कट्टों में भरा हुआ था। पोस्त के अलावा पुलिस को तस्कर के कब्जे से देसी ऑटोमैटिक पिस्टल और दो कारतूस भी मिले। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी है।

डीएसटी हनुमानगढ़ के जरिए गोलूवाला पुलिस को सूचना मिली कि एक कार में पोस्त की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलने पर गोलूवाला पुलिस थाना प्रभारी एसआई अजय गिरधर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नेशनल हाईवे पर स्थित कैंचियां में ओवरब्रिज के पास नाकाबंदी शुरू की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम ने सूरतगढ़ की ओर से आ रही कार को रुकवाकर तलाशी ली तो उसमें प्लास्टिक के 4 कट्टों में कुल 70 किलोग्राम पोस्त भरा हुआ मिला। कार ड्राइवर की तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी ऑटोमैटिक पिस्टल और 2 जिंदा कारतूस मिले। पुलिस ने पोस्त, पिस्टल और कारतूस बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पोस्त तस्करी में इस्तेमाल कार जब्त की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नागौर निवासी खेमाराम मकोड़ी के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने बीकानेर के पांचू थाना क्षेत्र निवासी किसी व्यक्ति से पोस्त खरीदकर लाने और सप्लाई देने श्रीगंगानगर जाने की बात कबूल की है।

किसान की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले के शक्करगढ थाना क्षेत्र के बाकरा गांव में खेत पर रखवाली कर रहे किसान को किसी जहरीले जानवर ने काट लिया जिससे किसान की मौत हो गई वहीं सूचना पर शक्करगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंपा। शक्करगढ़ थाना अधिकारी शारदा शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के बाकरा गांव में युवक को जहरीले जानवर के काटने से मौत होने की सूचना मिली जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक युवक छोटू लाल पिता देवीलाल रेगर के शव को जहाजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवा कर मृतक युवक का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सुपूर्द किया।

विदेश भेजने के नाम पर 16 लाख की ठगी

हनुमानगढ़, (निसं)। पुलिस थाने में युवती को विदेश भेजने के नाम पर लड़के वालों से 16 लाख से अधिक रुपए लेकर शादी करने से इनकार करने और रुपए-जेवरात वापस नहीं लौटाने का मामला दर्ज हुआ है। हनुमानगढ़ में सगाई के बाद युवती को विदेश भेजने के नाम पर लड़के वालों से 16 लाख से अधिक रुपए लेकर शादी करने से इनकार करने और रुपए-जेवरात वापस नहीं लौटाने का मामला सामने आया है। इस मामले में सदर थाना पुलिस में एक युवक ने अपनी मंगेतर और उसके परिजनों के खिलाफ ठगी के आरोप में मामला दर्ज करवाया है।

- **युवक ने अपनी मंगेतर और उसके परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया**

हरजिन्द्र सिंह (22) पुत्र रणवीर सिंह जटसिख निवासी वार्ड 25, डबलीबास मौलवी ने लिखित रिपोर्ट दी कि उसका रिश्ता गगनदीप कौर पुत्री गुरमेल सिंह जटसिख निवासी वार्ड 12, भोलेवाला, 7 एचडीपी तहसील पीलीबंगा के साथ तय हुआ था। 28 मई 2023 को गोलूवाला में शगुन की रस्म अदा की गई। उन्होंने शगुन में 2 तौले सोने और 17 तौले चांदी के गहने दिए। शगुन में गगनदीप कौर का पिता गुरमेल सिंह पुत्र वीरसिंह, दादा वीरसिंह, हरप्रीत कौर, जसमेल सिंह और राजदीप सिंह शामिल हुए। तब गुरमेल सिंह जल्द शादी करने का आश्वासन दिया। उसके बाद गगनदीप कौर से उसकी बात होने लगी। गगनदीप कौर के कहने पर उसने उसे मोबाइल फोन खरीदकर दिया। गगनदीप कौर ने उसे कहा कि वह विदेश जाना चाहती है। वह कुछ समय बाद उसे भी विदेश बुला लेगी। गगनदीप कौर और उसके परिजनों ने गगनदीप कौर को विदेश भेजने के नाम पर उनसे अलग-अलग समय में 16 लाख 41 हजार 250 रुपए ले लिए।

गगनदीप कौर के फर्जी दस्तावेज तैयार करवाकर उसे दिखाए। साथ ही गुरमेल सिंह ने कहा कि वे विदेश जाने से पहले उनकी साथ उसकी शादी करवा देंगे। जब उन्होंने शादी का तारीख तय करने के लिए गगनदीप कौर के परिवार पर दबाव बनाया तो उन्होंने शादी की तारीख तय करने से इनकार कर दिया। साथ ही कहा कि उनका गगनदीप कौर की शादी करने का कोई विचार नहीं है। अगर उन्होंने दबाव बनाया तो वे उनके खिलाफ दहेज मांगने का झूठा मामला दर्ज करवा देंगे। पंचायत की तो उसमें भी गुरमेल सिंह ने गगनदीप कौर की शादी करने से इनकार कर दिया। रुपए, सोने-चांदी के गहने भी वापस नहीं लौटाए। पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच थाना प्रभारी एसआई तेजवंत सिंह कर रहे हैं।

पूर्व कलेक्टर व नगर निगम आयुक्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश

- **स्टेडियम में बने रेस्टोरेंट को स्टे के बाद भी तोड़कर कोर्ट के आदेश की अवेहलना का है आरोप**
- **मामला वर्ष 2021 से अदालत में विचाराधीन था और रेस्टोरेंट संचालक ने स्टे प्राप्त कर रखा था**

अजमेर, (कासं)। अजमेर के इंडोर स्टेडियम में बने तंदूर रेस्टोरेंट को विधि विरुद्ध तोड़ने के आरोप में पूर्व कलेक्टर अंशदीप व वर्तमान नगर निगम आयुक्त सुशील के खिलाफ अजमेर न्यायालय ने सदर कोतवाली पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। मामला वर्ष 2021 से अदालत में विचाराधीन था और रेस्टोरेंट संचालक महिपाल सिंह ने अदालत से स्टे प्राप्त कर रखा था।

एडवोकेट अजय कुमार वर्मा ने बताया कि अजमेर के तत्कालीन जिला कलेक्टर अंशदीप और अजमेर नगर निगम आयुक्त सुशील सहित स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अधिकारी पी के मोर्य व नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने के आरोप में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किए जाने के अदालत ने आदेश दिए हैं। वर्मा ने बताया कि मेरे मुवक्किल महिपाल सिंह को अदालत ने स्टे दिया हुआ था, जिसे जिला कलेक्टर और नगर निगम व स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने नहीं माना और विधि विरुद्ध जाकर रेस्टोरेंट को तोड़ कर मुवक्किल को क्षति हानि पहुंचाई गई, जबकि वर्तमान में भी वहां कोई रेस्टोरेंट चल रहा है तो फिर उनके मुवक्किल का ही रेस्टोरेंट चलते रहने में क्या बुराई थी? एडवोकेट वर्मा ने बताया कि मौके पर जब मुवक्किल की ओर से अभिषेक भार्गव व अन्य वकीलों ने स्टे आदेश पेश किए तो अधिकारियों ने उसे मानने से इंकार कर दिया और सरकारी पद पर होते हुए विधि के विरुद्ध काम किया। इस तरह अधिकारियों ने कानून को तोड़ने का प्रयास किया।

नगर निगम के ट्रस्टी देवेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि उन्हे यह मामला अभी संज्ञान में आया है। उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट को तोड़ने के मामले में तत्कालीन अधिकारियों ने नगर निगम के ट्रस्टियों को विश्वास में नहीं लिया था। तत्कालीन अधिकारियों ने एक तरफा ही निर्णय लेकर रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ की कार्रवाई की थी। उन्होंने बताया कि अब न्यायालय ने आदेश दिए हैं तो अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा।

किशोरी दस्तयाब

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक इलाके से अपहरण कर ले जाई गई किशोरी को पुलिस ने बरामद कर लिया। किशोरी के बयानों के बाद युवक पर अपहरण के साथ-साथ दुष्कर्म करने और पोक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ी गई हैं। पुलिस ने मोनू नायक उर्फ मनीष मोटा पुत्र पंकज नायक को गिरफ्तार किया है। एफआईआर के अनुसार आरोपी एक किशोरी को 5 अगस्त की रात को बहला फुसलाकर अपहरण कर ले गया था। किशोरी के पिता की रिपोर्ट पर जवाहरनगर थाना में आरोपी को नामजद करते हुए अपहरण का मुकदमा दर्ज किया था। जांच अधिकारी एएसआई साहबराम बाजिया ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर किशोरी उसके कब्जे से बरामद की। पीडिता ने पुलिस को दिए बयानों में आरोपी पर दुष्कर्म का आरोप भी लगाया। बाल कल्याण समिति के आदेश पर किशोरी परिजनों के सुपुर्द कर दी।

बाइक चोरी की वारदातों का खुलासा, चार गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। विवेक विहार थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी और मोबाइल लूट करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की 11 मोटरसाइकिल और लूटे गए चार मोबाइल बरामद किए गए हैं। गैंग का सरगना झंवर पुलिस थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

विवेक विहार थाना अधिकारी राजेंद्र सिंह चारण ने बताया कि थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों को देखते हुए उच्च अधिकारियों के निर्देशन पर टीम गठित की गई थी। टीम ने बाइक चोरी के मामले को लेकर तकनीकी सहायता और मुखबिर की सूचना पर शातिर वाहन चोर गिरोह के 3 सदस्यों की पहचान की। जिन्हें पकड़ कर थाने लाया गया। जहां पूछताछ के दौरान उन्होंने चोरी की वारदात करना कबूल किया। इस पर पुलिस ने रविंद्र उर्फ रवि पुत्र मोहन नाथ जोगी निवासी खुडाला, रवि उर्फ जयेश पुत्र ओमप्रकाश हीरागर निवासी भल्लरों का बाड़ा अजीत, दिनेश पुत्र पारस नाथ जोगी निवासी शिकारपुरा व चोरी की बाइक खरीदने वाले जगदीश पुत्र मोहन नाथ जोगी निवासी आभानाडा की ताल मथानिया को गिरफ्तार कर लिया।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने मोटरसाइकिल चोरी और मोबाइल लूट की दो दर्जन वारदातें जोधपुर शहर, पाली और रोहिट में करना स्वीकार किया। आरोपियों के बताएं अनुसार उनके कब्जे से चुराई गई 11 मोटरसाइकिल और लूटे गए चार मोबाइल अलग-अलग स्थान से बरामद किए गए हैं। गैंग का सरगना रवि उर्फ खल्ला आला दर्जे का शातिर चोर है। जिसके खिलाफ पूर्व में 15 मामले दर्ज हैं। चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी रात में अलग-अलग साथियों के साथ मिलकर सुनसान जगह देखकर मोटरसाइकिल चुराते थे। वहीं शाम के समय पैदल चलने वाले राहगीरों के हाथों पर झपट्टा मार कर मोबाइल छीन लेते थे।

एम्स जोधपुर प्रशासन के खिलाफ ठेका कर्मचारी कलैक्ट्रेट पहुंचे, जताया आक्रोश

जोधपुर, (कासं)। एम्स जोधपुर में निदेशक और उपनिदेशक की तानाशाही से परेशान होकर कल एम्स जोधपुर से निकाले गए सुरक्षा एवं अन्य ठेका कर्मचारियों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंच कर समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिला कलेक्टर के मार्फत स्वास्थ्य मंत्री तथा एम्स के निर्देशक को ज्ञापन प्रेषित किये।

एम्स के ठेकाकर्मियों ने बताया कि उन्हें बेवजह नौकरी से निकाला जा रहा है। सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार द्वारा सुरक्षा कर्मियों को लगातार परेशान किया जाता है। बिना कारण 15-20 सुरक्षा कर्मियों को नौकरी से निकाल दिया गया। काम के समय में अनावश्यक पाबंदियाँ लगा दी जाती

- **ठेकाकर्मियों ने बताया कि उन्हें बेवजह नौकरी से निकाला जा रहा है**

है जैसे 8 घंटे की ड्यूटी के दौरान बैठ नहीं सकते, चाय-नाश्ता एवं अन्य किसी प्रकार की कोई गतिविधि नहीं कर सकते हैं। अनावश्यक नियमों के उल्लंघन का बहाना बनाकर आए दिन सुरक्षा कर्मियों को निकाला जा रहा है। लिफ़्ट संचालक को तो केवल लघुशंका करने जाने पर नौकरी से निकाल दिया गया। स्पष्ट है कि एम्स में निदेशक और उपनिदेशक की तानाशाही चल रही है। बेवजह कर्मियों को नौकरी से बाहर निकाल दिया जाता हैं। नौकरी से निकालने का न कारण बताया जाता है न किसी प्रकार का कोई नोटिस दिया जाता है। बस यह कह दिया जाता है कल से ड्यूटी पर मत आना। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक ठेकाकर्मी ने बताया कि डायरेक्टर और उपनिदेशक पुराने आदमियों को निकालकर नए आदमियों को लेने के एवज एसआईएस कम्पनी के मार्फत लाखों रुपए की मांग भी करते हैं, एक व्यक्ति से डेढ़ से दो लाख तक लिए जाते हैं।

इस दौरान डीवाईएफआई जिला सह संयोजक एडवोकेट गणपत इंदलिया, एडवोकेट पूजा भाटी, राजकुमार चौपड़ा, रितेश तिवारी, घनश्याम बिश्नोई, बबलु गुर्जर, जसवंत सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

गोवंश से भरी पिकअप छोड़ भागे तस्कर

भीलवाड़ा, (निसं)। शक्करगढ़ थाना क्षेत्र के बाकरा गांव में गोवंश से भरी हुई एक पिकअप मिली, पिकअप का एक्सल टूट गया था जिसके चलते तस्कर उसे मौके पर छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों ने पिकअप को देखा तो पुलिस को सूचना दी गोवंश तस्करी की सूचना मिलने पर मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए।

हेड कांस्टेबल विजय सिंह ने बताया कि बाकरा गांव के निकट एक पिकअप में गोवंश तस्करी की सूचना मिली थी। तस्करों ने पिकअप का एक्सल टूट जाने से सड़क के पास ही गोवंशों को गिरा दिया था लेकिन चारों पैर बंधे होने से एक की गर्दन टूट गई और मौके पर ही मौत हो गई। बाकी 4 गोवंश अचेत अवस्था में ग्रामीणों को मिले। ग्रामीणों ने सभी के पैरों की रस्सियां खोलकर मुक्त किया। पुलिस ने पिकअप को जप्त कर उसके मालिक की तलाश शुरू कर दी। वहीं मृत गोवंश

शक्करगढ़ थाना क्षेत्र के बाकरा गांव में गोवंश से भरी हुई पिकअप मिली।

का पोस्टमार्टम कराया।

पुलिस ने गोवंश तस्करी की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों ने बताया कि इस पिकअप के साथ एक और पिकअप थी लेकिन आस पास के खेतो में जाग होने से दूसरी पिकअप में ये लोग बैठकर भाग छूटे। आए दिन ऐसे साधन रात 12 बजे से 4 बजे के बीच निकलते रहते है। पिकअप

- **गोवंश के पैरों को बांधकर एम.पी. ले जा रहा थे**
- **पिकअप का एक्सल टूट गया था**

को जब पुलिस ने डिटेन किया तो उसमे एक टोल पर्ची मिली जो कल शुक्रवार रात की ही है जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि तस्कर अजमेर जिले के केकड़ी की तरफ से आए थे और एमपी इन गोवंश को ले जा रहे थे पुलिस से बचने के लिए तस्कर ग्रामीण क्षेत्र के छोटे रास्तों से निकलते हैं। जिससे आसानी से पुलिस की नजर से बच जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पांचों गोवंश को रस्सियों से जकड़कर चारों पेरों को बांध रखा था जिससे गोवंश घायल हो गए थे। गाड़ी में कपूर की गोलियां भी मिली जिससे अनुमान लगाया जा रहा था कि गाड़ी में बिठाने के बाद उनको बेहोश किया गया था।